

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

डॉ. माधुरी जाचक : संघर्ष से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता तक, विद्यार्थियों का भविष्य संवारने का संकल्प

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



संघर्ष से सफलता तक का सफर

विपरीत परिस्थितियों में अपने सपनों को साकार करना और उसी अनुभव के आधार पर दूसरों के सपनों को आगे बढ़ने का अवसर देना डॉ. माधुरी जाचक के कार्यों की प्रमुख प्रेरणा है। दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत, निरंतर प्रयास और परिवार के सहयोग से उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

आज वे **'SHINDE'S EDUCATION GALLERY – IIT MEDICAL INSTITUTE'** के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नागपुर में संस्थान की चार शाखाएं हैं, जहां JEE, NEET, CET और CUET जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।

उनकी यात्रा केवल एक कोचिंग संस्थान के विकास की कहानी नहीं है, बल्कि शिक्षा को जीवन में आगे बढ़ने का साधन मानने और अधिक विद्यार्थियों तक शैक्षणिक अवसर पहुंचाने के संकल्प को भी दर्शाती है।

डॉक्टर बनने का सपना और मेहनत की ताकत

साधारण पारिवारिक परिस्थितियों में पली-बढ़ी डॉ. माधुरी के लिए बड़े शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करना आसान नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना नहीं छोड़ा। पढ़ाई में निरंतरता और मेहनत को अपना आधार बनाकर वे अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ती रहीं।

दसवीं कक्षा के बाद ही उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ दूसरे विद्यार्थियों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के अच्छे परिणाम आने लगे और अभिभावकों का विश्वास बढ़ता गया। धीरे-धीरे विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी और छोटे स्तर पर शुरू हुई ट्यूशन कक्षाएं एक व्यापक कोचिंग संस्थान के रूप में विकसित होने लगीं।

यह सफर बताता है कि सीमित संसाधन किसी व्यक्ति की संभावनाओं को पूरी तरह निर्धारित नहीं करते। निरंतर प्रयास, ज्ञान और दूसरों का विश्वास किसी छोटे प्रयास को बड़े अवसर में बदल सकते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए व्यवस्थित मार्गदर्शन

समय के साथ डॉ. माधुरी जाचक ने स्कूल के विद्यार्थियों को पढ़ाने के साथ-साथ कक्षा 11वीं और 12वीं तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी ध्यान केंद्रित किया।

संस्थान में JEE, NEET, CET और CUET जैसी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाता है। इन परीक्षाओं की तैयारी में विषयों की समझ, नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और अध्ययन की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण होती है।

डॉ. माधुरी के अध्यापन का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने तक सीमित नहीं है। वे उनमें आत्मविश्वास, अध्ययन के प्रति अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण विकसित करने पर भी जोर देती हैं।

उनका मानना है कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल विषयों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनकी सोच, व्यक्तित्व और भविष्य की दिशा को भी प्रभावित करते हैं। इसी दृष्टिकोण के साथ वे विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए प्रयासरत हैं।

उच्च शिक्षा और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन

कोचिंग संस्थान की जिम्मेदारियां निभाते हुए डॉ. माधुरी ने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा पूरी करने के बाद पीएच.डी. तक का शैक्षणिक सफर तय किया।

विवाह के बाद भी शिक्षा जारी रखकर उन्होंने यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि सीखने की इच्छा और आगे बढ़ने का संकल्प जीवन के किसी एक चरण तक सीमित नहीं होते। व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए समय, अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक होते हैं।

इस यात्रा में उनके पति का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। परिवार के समर्थन और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने शिक्षा तथा पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखा।

उनका अनुभव विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए प्रेरणा बन सकता है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ अपनी शिक्षा जारी रखना या पेशेवर जीवन में आगे बढ़ना चाहती हैं।

वर्ष 2010 से जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद का संकल्प

डॉ. माधुरी जाचक के कार्यों का एक विशेष पहलू आर्थिक रूप से जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता करना है। उनका प्रयास है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी विद्यार्थी की शिक्षा बाधित न हो।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वे वर्ष 2010 से जरूरतमंद विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग प्रदान कर रही हैं। इस पहल के पीछे उनका व्यक्तिगत अनुभव भी जुड़ा है। अपने शैक्षणिक सफर में जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, वे नहीं चाहती कि दूसरे विद्यार्थियों को भी उन्हीं कारणों से अपने सपनों से पीछे हटना पड़े।

शिक्षा किसी विद्यार्थी के लिए बेहतर भविष्य, आत्मनिर्भरता और नए अवसरों का रास्ता खोल सकती है। ऐसे में आर्थिक परेशानी से जूझ रहे विद्यार्थियों को समय पर सहायता मिलना उनके शैक्षणिक सफर को जारी रखने में महत्वपूर्ण हो सकता है।

डॉ. माधुरी का यह प्रयास उनके पेशेवर कार्य को सामाजिक उद्देश्य से जोड़ता है। गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन के साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग देने की भावना उनके काम को एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

शिक्षा के माध्यम से भविष्य निर्माण

डॉ. माधुरी जाचक की यात्रा संघर्ष, आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण है। सीमित संसाधनों के बीच अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने से लेकर एक कोचिंग संस्थान के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने तक, उनके सफर में निरंतर प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने, पेशेवर जिम्मेदारियां निभाने और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद करने के उनके प्रयास इस बात को रेखांकित करते हैं कि शिक्षा का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से आगे बढ़कर समाज के विकास तक पहुंचता है।

उनकी कहानी का संदेश स्पष्ट है—परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन दृढ़ संकल्प और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के अवसर बनाए जा सकते हैं। अपने अनुभव से दूसरों के लिए रास्ता आसान बनाने का उनका प्रयास विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

संपर्क विवरण

मोबाइल : 8888883436

ई-मेल : madhurijachak59@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.